साझेदारी फर्म का पुनर्गठनः साझेदार का प्

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» साझेदारी फर्म का पुनर्गठन और इसके प्रकार

प्रश्न 1 (आसान). क्या साझेदारी फर्म का पुनर्गठन होने पर फर्म का व्यवसाय बंद हो जाता है?
उत्तर – नहीं, फर्म का व्यवसाय जारी रहता है।

प्रश्न 2 (आसान). जब एक नया साझेदार फर्म में आता है, तो क्या यह पुनर्गठन है?
उत्तर – हाँ, यह पुनर्गठन है।

प्रश्न 3 (मध्यम). अजय, विजय और संजय साझेदार हैं। अजय की मृत्यु हो जाती है, और विजय व संजय फर्म को जारी रखने का फैसला करते हैं। यह पुनर्गठन का कौन सा प्रकार है?
उत्तर – यह 'साझेदार की मृत्यु' के कारण पुनर्गठन है।

प्रश्न 4 (कठिन). रानी और रश्मि बराबर अनुपात में लाभ बांटती हैं। रश्मि के बीमार होने के कारण उन्होंने तय किया कि अब रानी को लाभ का 60% मिलेगा और रश्मि को 40%। क्या यह पुनर्गठन है? यदि हाँ, तो किस प्रकार का?
उत्तर – हाँ, यह पुनर्गठन है। यह 'विद्यमान साझेदारों के मध्य लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन' का प्रकार है।

» साझेदार का प्रवेश: अधिकार और महत्वपूर्ण बिंदु

प्रश्न 5 (आसान). एक नया साझेदार फर्म में प्रवेश करते समय कौन से दो मुख्य अधिकार प्राप्त करता है?
उत्तर – परिसंपत्तियों में भाग लेने का अधिकार और भावी लाभों में भाग लेने का अधिकार।

प्रश्न 6 (आसान). क्या एक नया साझेदार फर्म की सभी संपत्तियों में हिस्सेदारी प्राप्त करता है, भले ही उसने उन्हें खरीदने में कोई पैसा न लगाया हो?
उत्तर – हाँ, वह फर्म की सभी परिसंपत्तियों में हिस्सेदारी प्राप्त करता है।

प्रश्न 7 (मध्यम). नए साझेदार के प्रवेश पर कौन से दो मुख्य लेखांकन समायोजन करना सबसे पहले ज़रूरी होता है?
उत्तर – नया लाभ विभाजन अनुपात और त्याग अनुपात।

प्रश्न 8 (कठिन). एक नया साझेदार जब फर्म में आता है, तो वह पूंजी के अलावा एक और राशि क्यों लाता है, जिसे ख्याति (goodwill) कहते हैं?
उत्तर – यह राशि पुराने साझेदारों को उनके लाभ के हिस्से के त्याग की भरपाई करने के लिए लाई जाती है, जो उन्होंने नए साझेदार के लिए किया है।

» नया लाभ विभाजन अनुपात की गणना

प्रश्न 9 (आसान). A और B साझेदार हैं और 4:1 में लाभ बाँटते हैं। C को 1/4 भाग के लिए प्रवेश दिया जाता है। नया अनुपात ज्ञात करें।
उत्तर – A:B:C = 12:3:5

प्रश्न 10 (आसान). X और Y साझेदार हैं, 5:3 में लाभ बाँटते हैं। Z को 1/8 भाग के लिए प्रवेश दिया जाता है। नया अनुपात ज्ञात करें।
उत्तर – X:Y:Z = 35:21:8

प्रश्न 11 (मध्यम). P और Q साझेदार हैं, 3:2 में लाभ बाँटते हैं। R को 1/5 भाग के लिए प्रवेश दिया जाता है, जिसे वह P और Q से बराबर-बराबर लेता है। नया अनुपात ज्ञात करें।

उत्तर – P:Q:R = 13:7:5

प्रश्न 12 (कठिन). Gopal और Hari एक फर्म में साझेदार हैं और 5:3 के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। वे Imraan को नए साझेदार के रूप में शामिल करते हैं, जिसके लिए Gopal अपने भाग का 1/5 और Hari अपने भाग का 1/4 त्याग करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करें।

उत्तर – Gopal:Hari:Imraan = 4:3:3

» त्याग अनुपात की गणना और महत्व

प्रश्न 13 (आसान). अमर और बहादुर 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। मेरी को 1/5 भाग के लिए प्रवेश दिया गया। यदि नया अनुपात 2:1:1 है, तो त्याग अनुपात क्या होगा?

उत्तर – अमर का त्याग: 3/5 - 2/4 = (12-10)/20 = 2/20; बहादुर का त्याग: 2/5 - 1/4 = (8-5)/20 = 3/20। त्याग अनुपात 2:3।

प्रश्न 14 (आसान). रवि और सीमा 7:3 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। उन्होंने कमल को 1/4 भाग के लिए शामिल किया। यदि नया अनुपात 2:1:1 है, तो त्याग अनुपात निकालिए।

उत्तर – रवि का त्याग: 7/10 - 2/4 = (14-10)/20 = 4/20; सीमा का त्याग: 3/10 - 1/4 = (6-5)/20 = 1/20। त्याग अनुपात 4:1।

प्रश्न 15 (मध्यम). P, Q और R एक फर्म में 5:3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। वे S को 1/6 भाग के लिए प्रवेश देते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 3:2:1:1 है। त्याग अनुपात ज्ञात कीजिए।

उत्तर – P का त्याग = 5/10 - 3/7 = (35-30)/70 = 5/70; Q का त्याग = 3/10 - 2/7 = (21-20)/70 = 1/70; R का त्याग = 2/10 - 1/7 = (14-10)/70 = 4/70। त्याग अनुपात 5:1:4।

प्रश्न 16 (कठिन). A और B 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। C को 1/4 भाग के लिए प्रवेश देते हैं। C अपना हिस्सा A और B से 3:1 के अनुपात में लेता है। त्याग अनुपात ज्ञात कीजिए।

उत्तर – C का हिस्सा 1/4 है। A त्याग करेगा = 1/4 का 3/4 = 3/16; B त्याग करेगा = 1/4 का 1/4 = 1/16। त्याग अनुपात 3:1।

» ख्याति: अर्थ और मूल्य को प्रभावित करने वाले घटक

प्रश्न 17 (आसान). ख्याति किस प्रकार की संपत्ति है?

उत्तर – अमूर्त संपत्ति।

प्रश्न 18 (आसान). क्या ख्याति आँखों से देखी जा सकती है?

उत्तर – नहीं।

प्रश्न 19 (मध्यम). बताओ, किसी कंपनी की ख्याति क्यों ज़रूरी होती है?

उत्तर – कंपनी को सामान्य से ज़्यादा लाभ कमाने में मदद करती है, ग्राहक का भरोसा बढ़ाती है।

प्रश्न 20 (कठिन). एक जूते की दुकान जो 50 साल पुरानी है और बहुत भीड़भाड़ वाले बाज़ार में है, उसकी ख्याति किन दो घटकों से ज़्यादा होगी?

उत्तर – व्यवसाय की अवधि (50 साल पुरानी) और स्थान (भीड़भाड़ वाला बाज़ार)।

» ख्याति मूल्यांकन की आवश्यकता

प्रश्न 21 (आसान). क्या साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक है?
उत्तर – हाँ

प्रश्न 22 (आसान). फर्म में केवल लाभ विभाजन अनुपात बदलने पर ख्याति मूल्यांकन की आवश्यकता होगी या नहीं?
उत्तर – हाँ

प्रश्न 23 (मध्यम). A और B साझेदार हैं। C उनके व्यवसाय में शामिल होना चाहता है। ख्याति मूल्यांकन की आवश्यकता का मुख्य कारण क्या है?
उत्तर – C के शामिल होने से फर्म का पुनर्गठन होगा और C को भविष्य के लाभों और ख्याति में हिस्सा मिलेगा, जिसके लिए उसे प्रीमियम लाना होगा और पुराने साझेदारों के त्याग की भरपाई होगी।

प्रश्न 24 (कठिन). रमेश, सुरेश और दिनेश एक फर्म में साझेदार हैं। दिनेश की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है, और रमेश और सुरेश व्यवसाय जारी रखने का फैसला करते हैं। ख्याति मूल्यांकन क्यों किया जाएगा?
उत्तर – दिनेश की मृत्यु से फर्म का पुनर्गठन होगा। दिनेश के कानूनी उत्तराधिकारियों को उसके हिस्से की ख्याति का भुगतान करना होगा। साथ ही, रमेश और सुरेश का लाभ विभाजन अनुपात भी बदलेगा, जिसके लिए ख्याति का मूल्यांकन ज़रूरी है।

» ख्याति मूल्यांकन की औसत लाभ विधि

प्रश्न 25 (आसान). एक फर्म का पिछले 3 साल का लाभ क्रमशः ₹30,000, ₹40,000 और ₹50,000 है। 2 साल के क्रय पर औसत लाभ विधि से ख्याति निकालो।
उत्तर – औसत लाभ = (30k+40k+50k)/3 = 40k. ख्याति = 40k * 2 = ₹80,000।

प्रश्न 26 (आसान). अगर किसी फर्म का औसत लाभ ₹60,000 है और क्रय के वर्ष 4 हैं, तो ख्याति का मूल्य क्या होगा?
उत्तर – ख्याति = ₹60,000 × 4 = ₹2,40,000।

प्रश्न 27 (मध्यम). एक फर्म के पिछले 5 वर्षों के लाभ: ₹10,000, ₹15,000, ₹20,000, ₹18,000, ₹12,000 हैं। ख्याति का मूल्यांकन 3 वर्षों के क्रय पर औसत लाभ विधि से करें।
उत्तर – कुल लाभ = 10+15+20+18+12 = ₹75,000। औसत लाभ = 75k/5 = ₹15,000। ख्याति = 15k * 3 = ₹45,000।

प्रश्न 28 (कठिन). एक फर्म के पिछले 4 वर्षों के भारित लाभ (Weighted Profits) ₹60,000, ₹80,000, ₹1,20,000 और ₹1,50,000 हैं, और इनके भार (Weights) क्रमशः 1, 2, 3, 4 हैं। 2 वर्षों के क्रय पर भारित औसत लाभ विधि से ख्याति ज्ञात करें।
उत्तर – कुल भारित लाभ = (60k*1) + (80k*2) + (120k*3) + (150k*4) = 60k + 160k + 360k + 600k = ₹11,80,000। कुल भार = 1+2+3+4 = 10। भारित औसत लाभ = 11,80,000 / 10 = ₹1,18,000। ख्याति = 1,18,000 × 2 = ₹2,36,000।

» ख्याति मूल्यांकन की अधिलाभ विधि

प्रश्न 29 (आसान). अगर औसत लाभ ₹50,000 और सामान्य लाभ ₹30,000 है, तो अधिलाभ कितना होगा?
उत्तर – ₹20,000

प्रश्न 30 (आसान). एक फर्म की विनियोजित पूँजी ₹2,00,000 है और सामान्य प्रतिफल दर 8% है। सामान्य लाभ क्या होगा?
उत्तर – ₹16,000

प्रश्न 31 (मध्यम). एक फर्म का औसत लाभ ₹70,000 है। उसकी विनियोजित पूँजी ₹5,00,000 है और सामान्य प्रतिफल दर 12% है। यदि ख्याति का मूल्यांकन 2 वर्षों के अधिलाभ के क्रय पर किया जाता है, तो ख्याति का मूल्य ज्ञात करें।
उत्तर – सामान्य लाभ = ₹5,00,000 × 12% = ₹60,000; अधिलाभ = ₹70,000 - ₹60,000 = ₹10,000; ख्याति = ₹10,000 × 2 = ₹20,000

प्रश्न 32 (कठिन). राम एंड कंपनी की औसत पूँजी ₹10,00,000 है। पिछले 3 वर्षों का लाभ ₹1,20,000, ₹1,30,000 और ₹1,40,000 है। इसी उद्योग में सामान्य प्रतिफल दर 10% है। ख्याति का मूल्यांकन 2.5 वर्षों के अधिलाभ के क्रय पर करें।
उत्तर – औसत लाभ = (₹1,20,000 + ₹1,30,000 + ₹1,40,000) / 3 = ₹3,90,000 / 3 = ₹1,30,000; सामान्य लाभ = ₹10,00,000 × 10% = ₹1,00,000; अधिलाभ = ₹1,30,000 - ₹1,00,000 = ₹30,000; ख्याति = ₹30,000 × 2.5 = ₹75,000

» ख्याति मूल्यांकन की पूँजीकरण विधि

प्रश्न 33 (आसान). एक फर्म का औसत लाभ ₹80,000 है और सामान्य प्रतिफल दर 10% है। फर्म की वास्तविक विनियोजित पूँजी ₹6,00,000 है। पूँजीकृत औसत लाभ विधि से ख्याति ज्ञात करें।
उत्तर – ₹2,00,000

प्रश्न 34 (आसान). यदि अधिलाभ ₹20,000 है और सामान्य प्रतिफल दर 8% है, तो अधिलाभों के पूँजीकरण विधि से ख्याति कितनी होगी?
उत्तर – ₹2,50,000

प्रश्न 35 (मध्यम). एक फर्म का औसत लाभ ₹1,20,000 है। उद्योग की सामान्य प्रतिफल दर 12% है। फर्म की कुल परिसंपत्तियाँ (ख्याति छोड़कर) ₹10,00,000 हैं और बाहरी दायित्व ₹2,00,000 हैं। पूँजीकृत औसत लाभ विधि से ख्याति का मूल्यांकन करें।
उत्तर – ₹2,00,000

प्रश्न 36 (कठिन). मोहन ब्रदर्स का औसत लाभ पिछले 5 वर्षों का ₹90,000 है। व्यवसाय में विनियोजित पूँजी ₹7,50,000 है। इसी तरह के व्यवसाय में प्रतिफल की सामान्य दर 10% है। पूँजीकृत अधिलाभ विधि से ख्याति का मूल्यांकन करें।
उत्तर – ₹1,50,000

» ख्याति का लेखांकन व्यवहार जब नया साझेदार नकद लाता है

प्रश्न 37 (आसान). प्रवेश के समय जब नया साझेदार ख्याति की राशि नकद लाता है, तो कौन सा खाता डेबिट होता है?
उत्तर – बैंक/नकद खाता (Bank/Cash A/c)

प्रश्न 38 (आसान). ख्याति की राशि को पुराने साझेदारों में किस अनुपात में बांटा जाता है?
उत्तर – त्याग अनुपात (Sacrificing Ratio)

प्रश्न 39 (मध्यम). अमित और सुमित साझेदार हैं, लाभ 1:1 में बांटते हैं। उन्होंने गौरव को 1/3 हिस्से के लिए प्रवेश दिया। गौरव पूँजी के लिए ₹15,000 और ख्याति के लिए ₹3,000 नकद लाया। गौरव के प्रवेश पर ख्याति की राशि बांटने की रोज़नामचा प्रविष्टि क्या होगी?
उत्तर – Premium for Goodwill A/c Dr. ₹3,000
To Amit's Capital A/c ₹1,500
To Sumit's Capital A/c ₹1,500

प्रश्न 40 (कठिन). रवि और कमल 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। मनोज को 1/5 हिस्से के लिए प्रवेश दिया गया। मनोज ₹40,000 पूँजी के और ₹10,000 ख्याति के नकद लाता है। पुराने साझेदार ख्याति की 50% राशि आहरित कर लेते हैं। रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।
उत्तर – 1. Bank A/c Dr. ₹50,000
To Manoj's Capital A/c ₹40,000
To Premium for Goodwill A/c ₹10,000
(पूँजी व ख्याति की राशि नकद लाने पर)

2. Premium for Goodwill A/c Dr. ₹10,000
To Ravi's Capital A/c ₹6,000 (10,000 * 3/5)

To Kamal's Capital A/c ₹4,000 (10,000 * 2/5)
(ख्याति की राशि पुराने साझेदारों में त्याग अनुपात (3:2) में वितरित करने पर)

3. Ravi's Capital A/c Dr. ₹3,000 (6,000 का 50%)
Kamal's Capital A/c Dr. ₹2,000 (4,000 का 50%)
To Bank A/c ₹5,000
(पुराने साझेदारों द्वारा ख्याति की 50% राशि आहरित करने पर)

» ख्याति का लेखांकन व्यवहार जब नया साझेदार ख्याति नहीं लाता है

प्रश्न 41 (आसान). जब नया साझेदार ख्याति की राशि नहीं लाता, तो किस खाते को डेबिट किया जाता है?
उत्तर – नए साझेदार के चालू खाते को।

प्रश्न 42 (आसान). ख्याति की राशि पुराने साझेदारों के पूंजी खाते में किस अनुपात में क्रेडिट होती है?
उत्तर – त्याग अनुपात में।

प्रश्न 43 (मध्यम). रीमा और सीमा 2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। टीना को 1/4 भाग के लिए प्रवेश दिया गया। फर्म की ख्याति 60,000 रुपये मूल्यांकित की गई। टीना ख्याति की राशि नहीं ला पाई। जर्नल एंट्री पास करें। (मान लें त्याग अनुपात 2:1 है)
उत्तर – टीना का चालू खाता डेबिट 15,000 रुपये
रीमा के पूंजी खाते से क्रेडिट 10,000 रुपये
सीमा के पूंजी खाते से क्रेडिट 5,000 रुपये

प्रश्न 44 (कठिन). मोहन और सोहन 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। पवन को 1/3 भाग के लिए प्रवेश दिया गया। फर्म की ख्याति 90,000 रुपये है। पवन ख्याति की आधी राशि नकद लाया और बाकी नहीं लाया। त्याग अनुपात 1:1 है। जर्नल प्रविष्टियां दें।
उत्तर – बैंक खाता डेबिट 15,000 रुपये
ख्याति पर प्रतिफल खाता क्रेडिट 15,000 रुपये

ख्याति पर प्रतिफल खाता डेबिट 15,000 रुपये
पवन का चालू खाता डेबिट 15,000 रुपये
मोहन के पूंजी खाते से क्रेडिट 15,000 रुपये
सोहन के पूंजी खाते से क्रेडिट 15,000 रुपये

» प्रच्छन्न ख्याति की गणना और व्यवहार

प्रश्न 45 (आसान). अ और ब साझेदार हैं, प्रत्येक की पूंजी 50,000 रु. है। वे स को 1/4 भाग के लिए शामिल करते हैं, स 70,000 रु. पूंजी लाता है। फर्म की कुल प्रच्छन्न ख्याति ज्ञात करें।
उत्तर – स की पूंजी के आधार पर फर्म की कुल पूंजी = 70,000 × 4 = 2,80,000 रु.। वास्तविक पूंजी = 50,000 + 50,000 + 70,000 = 1,70,000 रु.। कुल प्रच्छन्न ख्याति = 2,80,000 - 1,70,000 = 1,10,000 रु.

प्रश्न 46 (मध्यम). X और Y 3:2 में साझेदार हैं, उनकी पूंजी 90,000 रु. और 60,000 रु. है। वे Z को 1/4 भाग के लिए शामिल करते हैं, Z 80,000 रु. पूंजी लाता है। Z ख्याति के पैसे नहीं लाता। प्रच्छन्न ख्याति की गणना करें और रोज़नामचा प्रविष्टि दें।
उत्तर – Z की पूंजी के आधार पर फर्म की कुल पूंजी = 80,000 × 4 = 3,20,000 रु.। वास्तविक पूंजी = 90,000 + 60,000 + 80,000 = 2,30,000 रु.। कुल प्रच्छन्न ख्याति = 3,20,000 - 2,30,000 = 90,000 रु.। Z का हिस्सा = 90,000 × 1/4 = 22,500 रु.। रोज़नामचा प्रविष्टि: Z का चालू खाता डेबिट 22,500 रु.। X के पूंजी खाते से क्रेडिट 13,500 रु. (22,500 * 3/5)। Y के पूंजी खाते से क्रेडिट 9,000 रु. (22,500 * 2/5)।

प्रश्न 47 (कठिन). P, Q और R 5:3:2 में साझेदार हैं। उनकी पूंजी क्रमशः 1,00,000 रु., 80,000 रु. और 70,000 रु. है। वे S को 1/6 भाग के लिए नया साझेदार बनाते हैं, जो 1,20,000 रु. पूंजी लाता है। S ख्याति के लिए नकदी नहीं लाता। त्याग अनुपात की गणना करें और प्रच्छन्न ख्याति की गणना और रोज़नामचा प्रविष्टि दें।

उत्तर – S की पूंजी के आधार पर फर्म की कुल पूंजी = 1,20,000 × 6 = 7,20,000 रु.। वास्तविक पूंजी = 1,00,000 + 80,000 + 70,000 + 1,20,000 = 3,70,000 रु.। कुल प्रच्छन्न ख्याति = 7,20,000 - 3,70,000 = 3,50,000 रु.। S का ख्याति में हिस्सा = 3,50,000 × 1/6 = 58,333.33 रु.। यदि नया लाभ विभाजन अनुपात नहीं दिया है, तो त्याग अनुपात पुराना अनुपात ही होता है (5:3:2)। रोज़नामचा प्रविष्टि: S का चालू खाता डेबिट 58,333.33 रु.। P के पूंजी खाते से क्रेडिट 29,166.67 रु. (58,333.33 * 5/10)। Q के पूंजी खाते से क्रेडिट 17,500 रु. (58,333.33 * 3/10)। R के पूंजी खाते से क्रेडिट 11,666.66 रु. (58,333.33 * 2/10)।

» संचित लाभों और हानियों का समायोजन

प्रश्न 48 (आसान). P और Q 2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। R के प्रवेश पर, फर्म के पास संचय कोष (Reserve Fund) में ₹30,000 थे। इसे कैसे समायोजित किया जाएगा?

उत्तर – संचय कोष (₹30,000) P और Q के पूंजी खातों में 2:1 के अनुपात में क्रेडिट होगा। P को ₹20,000 और Q को ₹10,000 मिलेंगे।

प्रश्न 49 (मध्यम). X, Y और Z एक फर्म में साझेदार हैं और 3:2:1 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। उन्होंने W को नए साझेदार के रूप में प्रवेश दिया। प्रवेश की तिथि पर, फर्म के तुलन पत्र (Balance Sheet) में 'सामान्य संचय' (General Reserve) में ₹60,000 और 'वज़्ञापन उचंती खाता' (Advertisement Suspense A/c) में ₹12,000 थे। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करें।

उत्तर – General Reserve A/c Dr. ₹60,000
To X's Capital A/c ₹30,000 (60,000 * 3/6)
To Y's Capital A/c ₹20,000 (60,000 * 2/6)
To Z's Capital A/c ₹10,000 (60,000 * 1/6)
(Being General Reserve distributed among old partners in old ratio)

X's Capital A/c Dr. ₹6,000 (12,000 * 3/6)
Y's Capital A/c Dr. ₹4,000 (12,000 * 2/6)
Z's Capital A/c Dr. ₹2,000 (12,000 * 1/6)
To Advertisement Suspense A/c ₹12,000
(Being Advertisement Suspense A/c written off among old partners in old ratio)

» परिसंपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन और दायित्वों का पुनर्निर्धारण

प्रश्न 50 (आसान). यदि मशीनरी का मूल्य 20,000 रुपये से बढ़कर 25,000 रुपये हो जाता है, तो पुनर्मूल्यांकन खाते में कौन सा पक्ष डेबिट होगा और कौन सा क्रेडिट?

उत्तर – मशीनरी खाता डेबिट होगा 5,000 रुपये से और पुनर्मूल्यांकन खाता क्रेडिट होगा 5,000 रुपये से।

प्रश्न 51 (आसान). यदि देनदारों पर 1,000 रुपये के डूबत ऋण के लिए प्रावधान (provision for doubtful debts) बनाना है, तो पुनर्मूल्यांकन खाते में क्या एंट्री होगी?

उत्तर – पुनर्मूल्यांकन खाता डेबिट होगा 1,000 रुपये से और डूबत ऋण के लिए प्रावधान खाता क्रेडिट होगा 1,000 रुपये से।

प्रश्न 52 (मध्यम). एक पुरानी टाइपराइटर मशीन, जिसका मूल्य बही खातों में शून्य (zero) था, अब 1,500 रुपये में बेची जा सकती है। पुनर्मूल्यांकन खाते में इसकी एंट्री कैसे होगी?

उत्तर – टाइपराइटर खाता डेबिट होगा 1,500 रुपये से और पुनर्मूल्यांकन खाता क्रेडिट होगा 1,500 रुपये से। यह एक अलिखित संपत्ति (unrecorded asset) है।

प्रश्न 53 (कठिन). फर्म के बही खातों में 10,000 रुपये के लेनदार (creditors) हैं। इनमें से 2,000 रुपये के लेनदार ऐसे हैं जिनका दावा अब खत्म हो गया है और उन्हें भुगतान नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए आवश्यक जर्नल एंट्री और पुनर्मूल्यांकन खाते पर प्रभाव बताइए।

उत्तर – जर्नल एंट्री: लेनदार खाता Dr. 2,000 रुपये, पुनर्मूल्यांकन खाते से Cr. 2,000 रुपये। पुनर्मूल्यांकन खाते के क्रेडिट पक्ष में 'लेनदार' के नाम से 2,000 रुपये आएंगे, जो फर्म के लिए लाभ दर्शाएगा।

» साझेदारों की पूंजी का समायोजन

प्रश्न 54 (आसान). अगर तीन साझेदारों का नया लाभ अनुपात 3:2:1 है और कुल समायोजित पूंजी ₹60,000 है, तो प्रत्येक साझेदार की समायोजित पूंजी कितनी होगी?

उत्तर – साझेदार 1: ₹30,000, साझेदार 2: ₹20,000, साझेदार 3: ₹10,000

प्रश्न 55 (आसान). एक साझेदार की पूंजी ₹50,000 होनी चाहिए थी, लेकिन खाते में ₹45,000 दिख रही है। उसे कितनी राशि लानी होगी?

उत्तर – ₹5,000

प्रश्न 56 (मध्यम). अ और ब 3:2 में लाभ बांटते हैं। स 1/5 भाग के लिए आता है। नया अनुपात 3:1:1 है। स ₹25,000 पूंजी लाता है। समायोजन से पहले अ और ब की पूंजी क्रमशः ₹40,000 और ₹20,000 है। प्रत्येक साझेदार की समायोजित पूंजी बताएं और कौन क्या करेगा?

उत्तर – कुल फर्म पूंजी = ₹1,25,000. अ की नई पूंजी = ₹75,000 (₹35,000 लाएगा). ब की नई पूंजी = ₹25,000 (₹5,000 लाएगा).

प्रश्न 57 (कठिन). एक्स, वाई और जेड 3:2:1 में साझेदार हैं। पी को 1/4 भाग के लिए प्रवेश दिया जाता है। पी ₹30,000 पूंजी लाता है। सभी समायोजनों के बाद (ख्याति और पुनर्मूल्यांकन सहित) एक्स, वाई और जेड की पूंजी क्रमशः ₹55,000, ₹35,000 और ₹20,000 है। तय किया गया कि फर्म की कुल पूंजी ₹1,20,000 होगी और सभी साझेदारों की पूंजी उनके नए लाभ अनुपात के अनुसार समायोजित की जाएगी। आवश्यक समायोजन प्रविष्टियां करें, यह मानते हुए कि अधिक या कम राशि नकद में लाई/निकाली जाएगी। (पहले नया अनुपात निकालें।)

उत्तर – नया लाभ अनुपात = 9:5:4:6. एक्स की समायोजित पूंजी = ₹45,000 (एक्स ₹10,000 निकालेगा), वाई की समायोजित पूंजी = ₹25,000 (वाई ₹10,000 निकालेगा), जेड की समायोजित पूंजी = ₹20,000 (जेड को कुछ नहीं करना), पी की समायोजित पूंजी = ₹30,000 (पी ₹30,000 लाएगा).

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. राम, मोहन और सोहन एक साझेदारी फर्म में लाभ 3:2:1 के अनुपात में बांटते हैं। उन्होंने निर्णय लिया कि 1 अप्रैल 2024 से वे लाभ को बराबर-बराबर बांटेंगे। क्या यह साझेदारी फर्म का पुनर्गठन है? यह किस प्रकार का पुनर्गठन है?

- › पहचानें कि क्या साझेदारों के बीच के समझौते में बदलाव हुआ है।
- › पुराना समझौता: लाभ 3:2:1 के अनुपात में बांटना।
- › नया समझौता: लाभ को बराबर-बराबर बांटना (यानी 1:1:1)।
- › निष्कर्ष निकालें कि यह पुनर्गठन है या नहीं।
- › पुनर्गठन के प्रकार को पहचानें।

उत्तर – हाँ, यह साझेदारी फर्म का पुनर्गठन है। यह 'विद्यमान साझेदारों के मध्य लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन' का प्रकार है।

उदाहरण 2. अमित और बंटी एक फर्म में साझेदार हैं और 3:2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। वे चेतन को 1/5 भाग के लिए नया साझेदार बनाते हैं। चेतन को प्रवेश पर कौन से दो मुख्य अधिकार मिलेंगे?

› पहला अधिकार: चेतन को फर्म की सभी परिसंपत्तियों (assets) में भाग लेने का अधिकार मिलेगा।

› दूसरा अधिकार: चेतन को फर्म के भविष्य के लाभों (future profits) में 1/5 भाग का अधिकार मिलेगा।

उत्तर – चेतन को फर्म की परिसंपत्तियों में भाग लेने और भविष्य के लाभों में हिस्सा लेने का अधिकार मिलेगा।

उदाहरण 3. अनिल और विशाल साझेदार हैं और लाभ का विभाजन 3:2 के अनुपात में करते हैं। वे सुमित को नए साझेदार के रूप में 1/5 भाग के लिए प्रवेश देते हैं। अनिल, विशाल और सुमित के नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना कीजिए।

› पहला कदम: नए साझेदार सुमित का भाग 1/5 है।

› दूसरा कदम: अब हम देखेंगे कि फर्म के पास कुल लाभ का कितना हिस्सा बचा है जो पुराने साझेदारों में बटेगा। कुल लाभ को हम '1' मानते हैं। तो बचा हुआ भाग = 1 - सुमित का भाग = 1 - 1/5 = 4/5।

› तीसरा कदम: अब, यह 4/5 हिस्सा पुराने साझेदारों (अनिल और विशाल) में उनके पुराने अनुपात (3:2) में बटेगा।

› अनिल का नया भाग = बचे हुए भाग का उसका पुराना हिस्सा = 4/5 का 3/5 = 12/25।

› विशाल का नया भाग = बचे हुए भाग का उसका पुराना हिस्सा = 4/5 का 2/5 = 8/25।

› चौथा कदम: अब हमें तीनों साझेदारों के अनुपात को एक ही आधार पर लाना होगा।

› अनिल : विशाल : सुमित = 12/25 : 8/25 : 1/5

› सुमित के भाग 1/5 को 25 के हर में लाने के लिए 5/5 से गुणा करेंगे = 5/25।

› तो, नया अनुपात = 12/25 : 8/25 : 5/25।

उत्तर – अनिल, विशाल और सुमित का नया लाभ विभाजन अनुपात 12:8:5 होगा।

उदाहरण 4. रोहित और मोहित एक फर्म में साझेदार हैं जो 5:3 के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। उन्होंने विजय को लाभ में 1/7 भाग के लिए फर्म में शामिल किया तथा फर्म के भावी लाभ को 4:2:1 के अनुपात में विभाजित करने का निर्णय लेते हैं। रोहित और मोहित के त्याग अनुपात की गणना कीजिए।

› 1. रोहित का पुराना भाग = 5/8

› 2. रोहित का नया भाग = 4/7

› 3. रोहित का त्याग = पुराना भाग - नया भाग = 5/8 - 4/7 = (35 - 32) / 56 = 3/56

› 4. मोहित का पुराना भाग = 3/8

› 5. मोहित का नया भाग = 2/7

› 6. मोहित का त्याग = पुराना भाग - नया भाग = 3/8 - 2/7 = (21 - 16) / 56 = 5/56

› 7. त्याग अनुपात = रोहित का त्याग : मोहित का त्याग = 3/56 : 5/56 = 3:5

उत्तर – रोहित और मोहित का त्याग अनुपात 3:5 है।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक किराना दुकान 'लक्ष्मी जनरल स्टोर' है। यह दुकान पिछले 20 सालों से एक ही जगह पर है और इसके ग्राहक बहुत वफादार हैं। हाल ही में एक नया पार्टनर प्रवेश कर रहा है। लक्ष्मी जनरल स्टोर की ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले 3 मुख्य घटक बताओ।

› पहला घटक: व्यवसाय का स्थान। यह दुकान 20 साल से एक ही अच्छी जगह पर है, जिससे ग्राहक आसानी से पहुँच पाते हैं।

› दूसरा घटक: व्यवसाय का स्वरूप। किराना दुकान रोज़मर्रा की ज़रूरतों का सामान बेचती है, जिसकी मांग हमेशा रहती है, तो यह भी ख्याति बढ़ाता है।

› तीसरा घटक: कुशल प्रबंधन। दुकान का मालिक इतने सालों से ग्राहकों से अच्छा व्यवहार कर रहा है, सामान की गुणवत्ता बनाए रखता है, जिससे ग्राहकों का भरोसा बना हुआ है। यह भी ख्याति बढ़ाता है।

उत्तर – व्यवसाय का स्थान, व्यवसाय का स्वरूप और कुशल प्रबंधन 'लक्ष्मी जनरल स्टोर' की ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले मुख्य घटक हैं।

उदाहरण 6. एक साझेदारी फर्म में, A, B और C साझेदार हैं जो लाभ को 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। वे D को नए साझेदार के रूप में प्रवेश देने का निर्णय लेते हैं। ख्याति मूल्यांकन की आवश्यकता क्यों होगी?

› पहला कदम: पहचानना कि क्या कोई 'पुनर्गठन' हो रहा है।

› यहाँ, एक नए साझेदार (D) का प्रवेश हो रहा है, जो साझेदारी फर्म के पुनर्गठन की एक स्थिति है।

› दूसरा कदम: पुनर्गठन के कारण को समझना।

› जब एक नया साझेदार आता है, तो वह फर्म के भविष्य के लाभों में हिस्सा लेगा। उसे फर्म की ख्याति का भी हिस्सा मिलेगा, जिसके लिए उसे प्रीमियम (ख्याति की रकम) लानी पड़ सकती है।

› तीसरा कदम: ख्याति मूल्यांकन की ज़रूरत बताना।

› D के प्रवेश से पुराने साझेदारों (A, B, C) का लाभ अनुपात बदलेगा और उन्हें अपने हिस्से का त्याग करना पड़ेगा। इस त्याग की भरपाई के लिए और नए साझेदार से ख्याति का प्रीमियम लेने के लिए, हमें फर्म की ख्याति का सही मूल्य जानना होगा।

उत्तर – नए साझेदार D के प्रवेश के कारण फर्म का पुनर्गठन होगा, जिससे लाभ विभाजन अनुपात बदल जाएगा। इस बदली हुई स्थिति में, पुराने साझेदारों के त्याग और नए साझेदार द्वारा ख्याति के प्रीमियम के भुगतान को निर्धारित करने के लिए ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक होगा।

उदाहरण 7. एक फर्म के पिछले 4 वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं: 2018 में ₹80,000, 2019 में ₹90,000, 2020 में ₹1,00,000 और 2021 में ₹1,10,000। यदि ख्याति का मूल्यांकन 3 वर्षों के क्रय पर औसत लाभ के आधार पर करना हो, तो ख्याति की गणना करें।

› सबसे पहले, हम पिछले 4 वर्षों के कुल लाभ को जोड़ेंगे: 80,000 + 90,000 + 1,00,000 + 1,10,000 = ₹3,80,000।

› अब, हम औसत लाभ निकालेंगे। कुल लाभ को वर्षों की संख्या से भाग देंगे: ₹3,80,000 / 4 वर्ष = ₹95,000।

› आखिर में, ख्याति निकालने के लिए औसत लाभ को क्रय के वर्षों की संख्या से गुणा करेंगे: ₹95,000 × 3 वर्ष = ₹2,85,000।

उत्तर – फर्म की ख्याति का मूल्य ₹2,85,000 होगा।

उदाहरण 8. एक व्यवसाय की विनियोजित पूँजी ₹6,00,000 है। पिछले 4 वर्षों का औसत लाभ ₹80,000 है। इसी प्रकार के व्यवसाय में प्रतिफल की सामान्य दर 10% है। अधिलाभ के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर ख्याति की गणना करें।

› पहला कदम, हम 'सामान्य लाभ' निकालेंगे। विनियोजित पूँजी ₹6,00,000 है और सामान्य दर 10% है, तो सामान्य लाभ = ₹6,00,000 का 10% = ₹60,000.

› दूसरा कदम, 'अधिलाभ' की गणना करेंगे। हमारा औसत लाभ ₹80,000 है और सामान्य लाभ ₹60,000 है। तो अधिलाभ = औसत लाभ - सामान्य लाभ = ₹80,000 - ₹60,000 = ₹20,000.

› तीसरा कदम, अब हम 'ख्याति' निकालेंगे। अधिलाभ ₹20,000 है और क्रय के वर्ष 3 हैं। तो ख्याति = अधिलाभ × क्रय वर्षों की संख्या = ₹20,000 × 3 = ₹60,000.

उत्तर – फर्म की ख्याति ₹60,000 है।

उदाहरण 9. एक व्यवसाय पिछले कुछ वर्षों में ₹1,50,000 का औसत लाभ कमाता है। इसी प्रकार के व्यवसाय में प्रतिफल की सामान्य दर 10% है। यदि व्यवसाय की निवल परिसंपत्तियों (Net Assets) का मूल्य ₹12,00,000 है, तो पूँजीकृत औसत लाभ विधि द्वारा ख्याति का मूल्य ज्ञात करें।

› पहला चरण: औसत लाभ का पूँजीकृत मूल्य (Capitalised Value of Average Profits) निकालना।

› सूत्र है: (औसत लाभ / सामान्य प्रतिफल दर) * 100

› तो, (₹1,50,000 / 10%) * 100 = (1,50,000 / 10) * 100 = 15,000 * 100 = ₹15,00,000

› दूसरा चरण: ख्याति (Goodwill) की गणना करना।

› सूत्र है: पूँजीकृत मूल्य - वास्तविक विनियोजित पूँजी (निवल परिसंपत्तियाँ)

› तो, ₹15,00,000 - ₹12,00,000 = ₹3,00,000

उत्तर – ख्याति का मूल्य ₹3,00,000 है।

उदाहरण 10. अजय और विजय 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। उन्होंने चेतन को 1/4 हिस्से के लिए प्रवेश दिया। चेतन पूँजी के लिए 20,000 रुपये और ख्याति के लिए 5,000 रुपये नकद लाता है। ख्याति की राशि व्यवसाय में रखी जाती है। रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कीजिए। (त्याग अनुपात 3:2 ही है)

› पहला कदम: चेतन जो नकद लाया है, उसे रिकॉर्ड करेंगे। बैंक खाता डेबिट होगा (क्योंकि पैसा आया) और चेतन की पूँजी खाते और ख्याति पर प्रतिफल खाते क्रेडिट होंगे।

› दूसरा कदम: अब, यह जो ख्याति पर प्रतिफल (Premium for Goodwill) के 5,000 रुपये हैं, ये पुराने साझेदारों (अजय और विजय) को त्याग अनुपात में दिए जाएँगे। यहाँ त्याग अनुपात 3:2 दिया है।

› तो 5,000 का 3/5 हिस्सा (3,000 रुपये) अजय को मिलेगा, और 5,000 का 2/5 हिस्सा (2,000 रुपये) विजय को मिलेगा।

› ख़्याति पर प्रतिफल खाता डेबिट होगा और अजय व विजय के पूँजी खाते क्रेडिट होंगे।

उत्तर – रोज़नामचा प्रविष्टियाँ:

1. Bank A/c Dr. 25,000
To Chetan's Capital A/c 20,000
To Premium for Goodwill A/c 5,000
(पूँजी और ख्याति की राशि नकद लाने पर)

2. Premium for Goodwill A/c Dr. 5,000
To Ajay's Capital A/c 3,000
To Vijay's Capital A/c 2,000
(ख्याति की राशि को पुराने साझेदारों में त्याग अनुपात (3:2) में वितरित करने पर)

उदाहरण 11. अमित और बबीता एक फर्म में 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। चेतन को 1/5 भाग के लिए नया साझेदार बनाया गया। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन 50,000 रुपये किया गया, लेकिन चेतन ख्याति की कोई भी राशि लाने में असमर्थ है। पुस्तकों में ख्याति खाता विद्यमान नहीं है। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दें।

› सबसे पहले, चेतन का हिस्सा कितना होगा ख्याति में? फर्म की कुल ख्याति 50,000 रुपये है और चेतन का हिस्सा 1/5 है, तो चेतन के हिस्से की ख्याति हुई = 50,000 * (1/5) = 10,000 रुपये।

› अब, अमित और बबीता का त्याग अनुपात निकालना होगा। चूंकि कोई और जानकारी नहीं दी गई है, तो पुराना अनुपात ही त्याग अनुपात होगा, यानी 3:2।

› अब, जर्नल एंट्री करेंगे। चेतन ख्याति के पैसे नहीं ला रहा है, तो उसका चालू खाता डेबिट होगा।

› चेतन का चालू खाता डेबिट 10,000 रुपये।

› अमित के पूंजी खाते को क्रेडिट करेंगे उसके त्याग अनुपात के हिस्से से: 10,000 * (3/5) = 6,000 रुपये।

› बबीता के पूंजी खाते को क्रेडिट करेंगे उसके त्याग अनुपात के हिस्से से: 10,000 * (2/5) = 4,000 रुपये।

उत्तर – जर्नल एंट्री इस प्रकार होगी:

चेतन का चालू खाता डेबिट 10,000 रुपये
अमित के पूंजी खाते से क्रेडिट 6,000 रुपये
बबीता के पूंजी खाते से क्रेडिट 4,000 रुपये
(ख्याति की राशि जो नया साझेदार नहीं ला सका, पुराने साझेदारों में उनके त्याग अनुपात में समायोजित की गई।)

उदाहरण 12. हेम और नेम एक फर्म में साझेदार हैं और 3:2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। उनकी पूंजी क्रमशः 80,000 रु. और 50,000 रु. है। वे 1 अप्रैल, 2017 को सेम को भावी लाभ में 1/5 भाग के लिए नया साझेदार शामिल करते हैं। सेम 60,000 रु. की पूंजी लेकर आता है। ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए और सेम के प्रवेश पर फर्म की पुस्तकों में रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कीजिए यदि सेम ख्याति का अंश नहीं लेकर आता है।

› पहला कदम: नए साझेदार सेम की पूंजी के आधार पर पूरी फर्म की अनुमानित कुल पूंजी निकालेंगे। सेम 60,000 रु. पूंजी लाया है 1/5वें हिस्से के लिए। तो, पूरी फर्म की पूंजी होगी = 60,000 रु. × 5 = 3,00,000 रु.

› दूसरा कदम: अब हम फर्म की वास्तविक कुल पूंजी देखेंगे। हेम की पूंजी (80,000 रु.) + नेम की पूंजी (50,000 रु.) +

सेम की लाई हुई पूंजी (60,000 रु.) = 1,90,000 रु.

› तीसरा कदम: अब हम प्रच्छन्न ख्याति निकालेंगे। फर्म की अनुमानित कुल पूंजी (3,00,000 रु.) - फर्म की वास्तविक कुल पूंजी (1,90,000 रु.) = 1,10,000 रु.। यह फर्म की कुल ख्याति है।

› चौथा कदम: नए साझेदार सेम का ख्याति में हिस्सा निकालेंगे। सेम का हिस्सा = 1,10,000 रु. × 1/5 = 22,000 रु.

› पांचवां कदम: अब रोज़नामचा प्रविष्टियाँ करेंगे।

› प्रविष्टि 1 (पूंजी लाने की): बैंक खाता डेबिट 60,000 रु., सेम के पूंजी खाते से क्रेडिट 60,000 रु.। (सेम द्वारा पूंजी लाई गई)

› प्रविष्टि 2 (ख्याति का समायोजन): सेम का चालू खाता डेबिट 22,000 रु. (क्योंकि वह ख्याति के पैसे नहीं लाया है), हेम के पूंजी खाते से क्रेडिट 13,200 रु. (22,000 रु. का 3/5वां हिस्सा, त्याग अनुपात 3:2 में), नेम के पूंजी खाते से क्रेडिट 8,800 रु. (22,000 रु. का 2/5वां हिस्सा, त्याग अनुपात 3:2 में)। (नहीं लाई गई ख्याति की राशि का विभाजन)

› तो सेम को ख्याति के 22,000 रु. अपने चालू खाते से देने होंगे, और हेम और नेम को उनके त्याग अनुपात में 13,200 रु. और 8,800 रु. मिलेंगे।

उत्तर – फर्म की कुल ख्याति = 1,10,000 रु.। सेम का ख्याति में हिस्सा = 22,000 रु.। रोज़नामचा प्रविष्टियाँ ऊपर दी गई हैं।

उदाहरण 13. अ और ब एक फर्म में 3:2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। 1 अप्रैल 2023 को उन्होंने स को फर्म में 1/4 हिस्से के लिए प्रवेश दिया। इस तिथि पर फर्म के पास 'सामान्य संचय' (General Reserve) में ₹20,000 और 'लाभ-हानि खाते' (Profit & Loss A/c) का डेबिट शेष (हानि) ₹10,000 था। इन संचित लाभों और हानियों के समायोजन के लिए आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ (Journal Entries) करें।

› पहले हम सामान्य संचय (लाभ) का समायोजन करेंगे। यह पुराने साझेदारों (अ और ब) के पूंजी खातों में उनके पुराने अनुपात (3:2) में क्रेडिट होगा।

› ₹20,000 (सामान्य संचय) को 3:2 में बांटने पर: अ को ₹20,000 * (3/5) = ₹12,000 और ब को ₹20,000 * (2/5) = ₹8,000 मिलेंगे।

› अब हम लाभ-हानि खाते के डेबिट शेष (हानि) का समायोजन करेंगे। यह पुराने साझेदारों (अ और ब) के पूंजी खातों में उनके पुराने अनुपात (3:2) में डेबिट होगा।

› ₹10,000 (लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष) को 3:2 में बांटने पर: अ के पूंजी खाते से ₹10,000 * (3/5) = ₹6,000 और ब के पूंजी खाते से ₹10,000 * (2/5) = ₹4,000 डेबिट होंगे।

› रोज़नामचा प्रविष्टियाँ (Journal Entries) लिखेंगे।

उत्तर – Journal Entries:

1. General Reserve A/c Dr. ₹20,000
To A's Capital A/c ₹12,000
To B's Capital A/c ₹8,000
(Being General Reserve distributed to old partners in old ratio)

2. A's Capital A/c Dr. ₹6,000
B's Capital A/c Dr. ₹4,000
To Profit & Loss A/c ₹10,000
(Being P&L Dr. balance distributed to old partners in old ratio)

उदाहरण 14. अ और ब 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। 1 अप्रैल, 2023 को स को 1/5 हिस्से के लिए प्रवेश दिया गया। इस तिथि पर फर्म की मशीनरी का मूल्य बही खातों में 50,000 रुपये था, लेकिन उसका बाज़ार मूल्य 60,000 रुपये था। फर्नीचर का मूल्य 20,000 रुपये था, जो अब 18,000 रुपये हो गया है। एक लेनदार 500 रुपये का था जिसे अब भुगतान नहीं करना पड़ेगा। पुनर्मूल्यांकन खाता बनाइए।

› सबसे पहले, मशीनरी के मूल्य में वृद्धि हुई है (60,000 - 50,000 = 10,000 रुपये)। यह फर्म के लिए लाभ है, इसलिए 'पुनर्मूल्यांकन खाता' क्रेडिट होगा।

› दूसरा, फर्नीचर के मूल्य में कमी हुई है (20,000 - 18,000 = 2,000 रुपये)। यह फर्म के लिए हानि है, इसलिए 'पुनर्मूल्यांकन खाता' डेबिट होगा।

› तीसरा, 500 रुपये के लेनदार का भुगतान नहीं करना है। यह दायित्व में कमी है, जो फर्म के लिए लाभ है, इसलिए 'पुनर्मूल्यांकन खाता' क्रेडिट होगा।

› अब, हम 'पुनर्मूल्यांकन खाता' बनाएंगे और इन सभी एंट्रीज़ को पोस्ट करेंगे।

› पुनर्मूल्यांकन खाते के डेबिट साइड में फर्नीचर लिखेंगे 2,000 रुपये।

› पुनर्मूल्यांकन खाते के क्रेडिट साइड में मशीनरी लिखेंगे 10,000 रुपये।

› पुनर्मूल्यांकन खाते के क्रेडिट साइड में लेनदार (Creditors) लिखेंगे 500 रुपये।

› कुल क्रेडिट 10,000 + 500 = 10,500 रुपये।

› कुल डेबिट 2,000 रुपये।

› क्रेडिट शेष (लाभ) = 10,500 - 2,000 = 8,500 रुपये।

› इस लाभ को पुराने साझेदारों अ और ब में उनके पुराने लाभ-हानि अनुपात 3:2 में बाँट देंगे।

› अ का हिस्सा = 8,500 * (3/5) = 5,100 रुपये।

› ब का हिस्सा = 8,500 * (2/5) = 3,400 रुपये।

› इस लाभ को पुनर्मूल्यांकन खाते के डेबिट साइड में दिखाकर, खाते को बंद कर देंगे।

उत्तर – पुनर्मूल्यांकन खाते में 8,500 रुपये का लाभ हुआ, जिसे अ के पूँजी खाते में 5,100 रुपये और ब के पूँजी खाते में 3,400 रुपये ट्रांसफर किया जाएगा।

उदाहरण 15. अ और ब एक फर्म में साझेदार हैं और 2:1 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। वे स को 1/4 भाग के लिए प्रवेश देते हैं। स पूंजी के लिए ₹20,000 लाता है। सभी समायोजनों (ख्याति, पुनर्मूल्यांकन) के बाद अ और ब की पूंजी क्रमशः ₹45,000 और ₹15,000 है। तय हुआ कि साझेदारों की पूंजी नए लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार होगी। अ और ब की नई पूंजी ज्ञात करें और बताएं कि कौन कितनी राशि लाएगा या निकालेगा।

› पहले नया लाभ विभाजन अनुपात निकालेंगे। स का भाग 1/4 है। मान लो स ने अपना हिस्सा अ और ब से उनके पुराने अनुपात (2:1) में लिया।

› फर्म का कुल भाग = 1, स का भाग = 1/4. शेष भाग = 1 - 1/4 = 3/4.

› अ का नया भाग = 3/4 का 2/3 = 6/12.

› ब का नया भाग = 3/4 का 1/3 = 3/12.

› स का नया भाग = 1/4 या 3/12.

› तो नया अनुपात अ:ब:स = 6:3:3 या 2:1:1 होगा।

› अब, स की पूंजी ₹20,000 है, जो उसके 1/4 भाग के लिए है। तो पूरी फर्म की पूंजी = ₹20,000 × 4/1 = ₹80,000 होगी।

› इस ₹80,000 को नए अनुपात (2:1:1) में बांटेंगे।

› अ की नई समायोजित पूंजी = ₹80,000 × 2/4 = ₹40,000.

› ब की नई समायोजित पूंजी = ₹80,000 × 1/4 = ₹20,000.

› अब देखो, अ की मौजूदा पूंजी ₹45,000 है, लेकिन होनी चाहिए ₹40,000. मतलब, अ ₹45,000 - ₹40,000 = ₹5,000 निकाल कर ले जाएगा।

› ब की मौजूदा पूंजी ₹15,000 है, लेकिन होनी चाहिए ₹20,000. मतलब, ब ₹20,000 - ₹15,000 = ₹5,000 लेकर आएगा।

› जनरल एंट्री: अ का पूंजी खाता Dr. ₹5,000, रोकड़ खाते से Cr. ₹5,000 (अ द्वारा अधिक राशि निकालने पर)

› जनरल एंट्री: रोकड़ खाता Dr. ₹5,000, ब के पूंजी खाते से Cr. ₹5,000 (ब द्वारा लाई गई कम राशि)

उत्तर – अ ₹5,000 निकाल कर ले जाएगा और ब ₹5,000 लेकर आएगा।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरे अध्याय का आधार है। इसके प्रकार और प्रत्येक प्रकार के कारण को अच्छे से समझ लेना, आपको आगे के सभी प्रश्नों को हल करने में मदद करेगा।

• यह भाग बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं कि नए साझेदार को कौन से अधिकार मिलते हैं, या प्रवेश पर किए जाने वाले समायोजन क्या हैं।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विभिन्न परिस्थितियों में नया लाभ विभाजन अनुपात की गणना करना अच्छे से सीख लें, खासकर जब त्याग अनुपात स्पष्ट रूप से न दिया गया हो।

• त्याग अनुपात की गणना पर आधारित प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षा में ख्याति के समायोजन के साथ पूछे जाते हैं। गणना में सावधानी रखें और ऋणात्मक परिणाम आने पर 'लाभ' के रूप में दिखाएँ।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ख्याति की परिभाषा और इसे प्रभावित करने वाले घटकों पर सीधा प्रश्न अक्सर पूछा जाता है। इसे अच्छे से समझ लेना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर छोटे प्रश्न के रूप में आता है, जिसमें कारण पूछे जाते हैं। इन परिस्थितियों को अच्छे से याद रखना।

• यह विधि बोर्ड परीक्षा में बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें औसत लाभ और क्रय के वर्षों की संख्या को सही तरीके से समझना और लागू करना आना चाहिए। छोटे न्यूमेरिकल प्रश्न अक्सर इसी विधि पर आधारित होते हैं, इसलिए इसके उदाहरणों का खूब अभ्यास करें।

• यह विधि बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ख्याति के न्यूमेरिकल प्रश्नों में अधिलाभ विधि पर आधारित सवाल ज़रूर आते हैं, तो इसके हर स्टेप को अच्छे से समझ लेना।

• यह विधि बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें औसत लाभ और अधिलाभ दोनों विधियों से ख्याति निकालने के सवाल अक्सर आते हैं। सूत्रों को ठीक से याद करना और चरणबद्ध तरीके से सवाल हल करना बहुत ज़रूरी है, खासकर जब औसत लाभों का पूँजीकृत मूल्य निकालना हो।

• बोर्ड एग्जाम में ख्याति की एंट्रीज पर अक्सर एक प्रैक्टिकल सवाल आता है। त्याग अनुपात की गणना और फिर सही प्रविष्टि, दोनों पर पूरे अंक मिलते हैं।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें खासकर यह ध्यान रखें कि यदि पुस्तकों में ख्याति पहले से मौजूद हो, तो उसे पुराने साझेदारों के पूंजी खाते में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में अपलिखित करना न भूलें। इसके बिना आपके अंक कट सकते हैं।

• प्रच्छन्न ख्याति की गणना बोर्ड परीक्षा में 4 से 6 अंकों के प्रश्नों में अक्सर आती है, इसलिए इसकी गणना के स्टेप्स और जर्नल प्रविष्टियाँ अच्छे से याद कर लेना।

• यह प्रविष्टियाँ अक्सर बड़े प्रश्नों का हिस्सा होती हैं, खासकर जब आपको पुनर्मूल्यांकन खाता और साझेदारों के पूंजी खाते बनाने हों। अगर आपने ये एंट्री सही की, तो पूरा प्रश्न सही होने की संभावना बढ़ जाती है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! इस पर आधारित प्रश्न 6 से 8 अंकों तक के हो सकते हैं, जिसमें आपको नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना, पूंजी का समायोजन और फिर जर्नल प्रविष्टियां भी करनी होंगी।

एक नज़र में रिवीज़न

› साझेदारी पुनर्गठन = पुराने समझौते का अंत, नए का निर्माण; फर्म जारी रहती है।

› नए साझेदार को परिसंपत्ति व लाभ में अधिकार; पुनर्गठन पर नया लाभ, त्याग अनुपात, ख्याति समायोजन।
› नए साझेदार के प्रवेश पर लाभ विभाजन अनुपात का पुनर्निर्धारण।
› त्याग अनुपात = पुराना लाभ भाग - नया लाभ भाग; ख्याति इसी में बँटती है।
› ख्याति = अमूर्त संपत्ति; अधिक लाभ कमाने की शक्ति; स्थान, प्रबंधन, स्वरूप से प्रभावित।
› फर्म पुनर्गठन (प्रवेश, सेवानिवृत्ति, मृत्यु, लाभ अनुपात परिवर्तन) पर ख्याति मूल्यांकन आवश्यक।
› ख्याति = औसत लाभ (साधारण/भारित) × क्रय के वर्षों की संख्या।
› अधिलाभ = औसत लाभ - सामान्य लाभ; ख्याति = अधिलाभ × क्रय वर्ष।
› पूँजीकरण विधि: औसत लाभ / अधिलाभ को सामान्य दर से पूँजीकृत कर ख्याति निकालना।
› नया साझेदार ख्याति नकद लाए, पुराने साझेदारों में त्याग अनुपात में बांटे।
› नया साझेदार ख्याति न लाए: चालू खाता डेबिट, त्याग अनुपात में पुराने साझेदार क्रेडिट।
› प्रच्छन्न ख्याति = (नए साझेदार की पूंजी * उसके हिस्से का व्युत्क्रम) - वास्तविक कुल पूंजी।
› संचित लाभ/हानि पुराने साझेदारों को पुराने अनुपात में बांटे जाते हैं।
› साझेदारों की पूंजी का नए लाभ-हानि अनुपात के अनुसार समायोजन।